

अहवाल

अतिथि व्याख्यान(2018-19)

‘भक्तिकालीन साहित्य की प्रासंगिकता’ इस विषय के ऊपर 18 अगस्त 2018 को व्याख्यान हिंदी विभाग द्वारा आयोजित किया इस विषय के व्याख्यान के गया। अध्यापक प्रा. अजित फालके, म.ह.शिंदे, महाविद्यालय, तिसंगी इन को इस व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था। उन्होंने इस विषय के ऊपर छात्रों के सामने विस्तृत रूप में चर्चा की। मनुष्य की आज की बदलती जीवनशैली में भी भक्ति साहित्य किस तरह प्रासंगिक है इसको प्रा. अजित फालके सर ने स्पष्ट किया। प्रमुख उपस्थिति के रूप में संस्था के अध्यक्ष श्री.विठ्ठल पाटील साहब उपस्थित रहे थे। इस व्याख्यान के लिए अध्यक्ष के रूप में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य बी.एम.लाडगावकर सर जी ने उपस्थित रहकर छात्रों को मार्गदर्शन किया। प्रा.नितीन पाटील सर जी ने प्रास्ताविक किया। इस व्याख्यान का सूत्रसंचालन प्रा. जेलित कांबले सर जी ने किया।

